



Mr.Yogesh Joshi



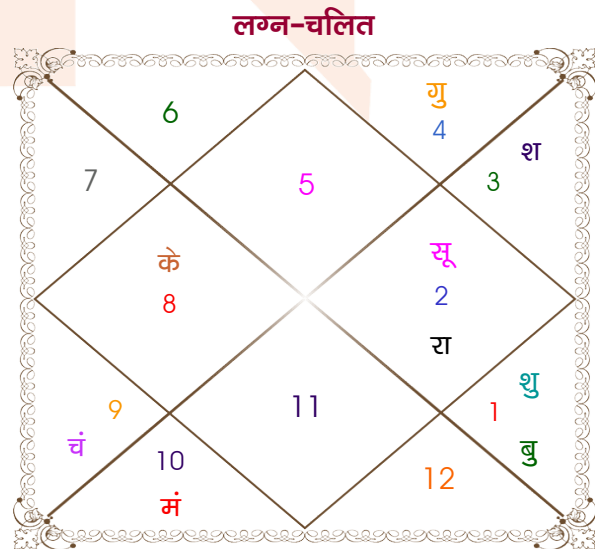
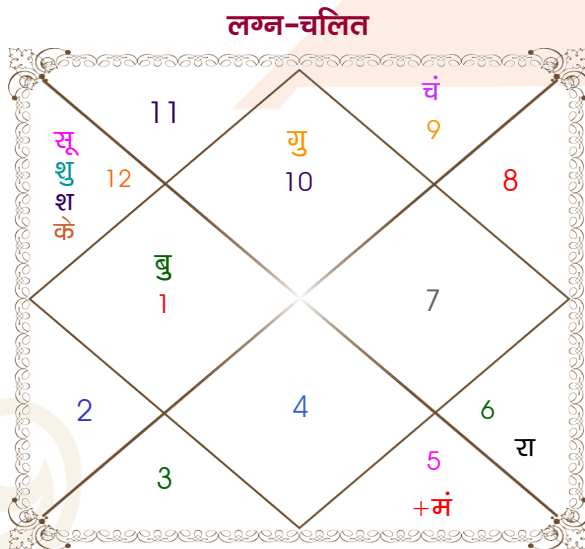
Ms. Pooja Upadhyay

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119242402

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 30-31/03/1997 : _____ जन्म तिथि _____ 19/05/2003
 रवि-सोमवार : _____ दिन _____ सोमवार
 घंटे 02:40:00 : _____ जन्म समय _____ 12:36:00 घंटे
 घंटे 50:39:09 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 17:02:29 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Ratlam : _____ स्थान _____ Maheshwar
 23:18:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 22:11:00 उत्तर
 75:06:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 75:40:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:29:36 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:27:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:24:20 : _____ सूर्योदय _____ 05:46:40
 18:44:38 : _____ सूर्यास्त _____ 19:01:11
 23:49:06 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:54:00

विंशोत्तरी केतु 4वर्ष 7मा 15दि सूर्य		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 13वर्ष 8मा 8दि चन्द्र	
14/11/2021		05:46:24	मक	लग्न	सिंह	07:20:21	25/01/2023	
15/11/2027		16:22:58	मीन	सूर्य	वृष	04:00:39	25/01/2033	
सूर्य	04/03/2022	04:31:15	धनु	चंद्र	धनु	17:32:26	चन्द्र	26/11/2023
चन्द्र	03/09/2022	27:52:05	सिंह व	मंगल	मक	21:52:58	मंगल	26/06/2024
मंगल	09/01/2023	03:41:57	मेष	बुध व	मेष	17:15:46	राहु	26/12/2025
राहु	03/12/2023	20:59:31	मक	गुरु	कर्क	17:08:27	गुरु	27/04/2027
गुरु	20/09/2024	15:41:49	मीन	शुक्र	मेष	09:32:37	शनि	25/11/2028
शनि	02/09/2025	16:25:28	मीन	शनि	मिथु	04:09:45	बुध	27/04/2030
बुध	10/07/2026	04:50:20	कन्या व	राहु	वृष	05:33:55	केतु	26/11/2030
केतु	15/11/2026	04:50:20	मीन व	केतु	वृश्चि	05:33:55	शुक्र	26/07/2032
शुक्र	15/11/2027	14:05:34	मक	हर्ष	कुंभ	08:46:24	सूर्य	25/01/2033
		05:51:29	मक	नेप व	मक	19:17:00		
		11:38:41	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	25:15:44		



Jyotishacharya Himanshu Tiwari

Ambikapur

9981268133

himanshu.tiwariom@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्वहमें श्रवीष का वर्ग मृग है तथा डेण चवरं न्वंकीलं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्वहमें श्रवीष और डेण चवरं न्वंकीलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्वहमें श्रवीष मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेण चवरं न्वंकीलं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण चवरं न्वंकीलं की कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्वहमी श्रवीप तथा डेण च्ववरं न्वंकीलंल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

